उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४३ वा रविवार २२ दिसंबर २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

मंत्रिमंडल में विभागों का आवंटन हुआ फाइनल

जमीर काज़ी

मुंबई: मंत्रिमंडल विस्तार के छह दिन बाद, महाराष्ट्र सरकार में विभागों के आवंटन को शनिवार को अंतिम रूप दिया गया। उम्मीद के मुताबिक, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह, ऊर्जा, न्याय और विधि जैसे प्रमुख विभाग अपने पास रखे हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नगर विकास, गृहनिर्माण और ग्रामीण विकास दिया गया है, जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को वित्त और उत्पादन शुल्क विभाग सौंपा गया है। शीतकालीन सत्र के समापन के बाद देर रात विभागों का आवंटन घोषित किया गया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को राजस्व विभाग, चंद्रकांत दादा पाटिल को उच्च और तकनीकी शिक्षा, और हसन मुश्रीफ को चिकित्सा शिक्षा विभाग सौंपा गया है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने प्रमुख विभागों को हासिल करने के लिए जोरदार प्रयास किया, लेकिन बीजेपी ने अधिकांश महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे। पिछली सरकार के कई मंत्रियों को उनके पहले वाले विभाग ही सौंपे गए हैं।

कैबिनेट मंत्री

- चंद्रशेखर बावनकुले: राजस्व।
- राधाकृष्ण विखे पाटिल: जल संरक्षण (गोदावरी और कृष्णा घाटी विकास)।
- हसन मुश्रीफ: चिकित्सा शिक्षा।
- चंद्रकांत पाटिल: उच्च और तकनीकी शिक्षा, संसदीय कार्य।
- गिरीश महाजन: जल संरक्षण (विदर्भ, तापी, कोकण विकास),आपदा
- प्रबंधन।
- गुलाबराव पाटिल: जल आपूर्ति।
- गणेश नाइक: वन।
- दादाजी भुसे: शालेय शिक्षा।
- संजय राठौड़: मृदा और जल परीक्षण।
- धनंजय मुंडे: खाद्य और नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता संरक्षण।
- मंगल प्रभात लोढ़ा: कौशल विकास, रोजगार, उद्योग और अनुसंधान।
- उदय सामंत: उद्योग और मराठी भाषा।
- जयकुमार रावल: विपणन और प्रोटोकॉल।
- पंकजा मुंडे: पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, पशुपालन।
- अतुल सावे: ओबीसी विकास, डेयरी विकास, नवीकरणीय ऊर्जा।
- अशोक उइके: आदिवासी विकास।
- शंभूराज देसाई: पर्यटन, खनन, स्वतंत्रता सेनानी कल्याण।
- आशीष शेलार: सूचना प्रौद्योगिकी।
- दत्तात्रय भरणे: खेल, अल्पसंख्यक विकास और वक्फ।
- अदिति तटकरे: महिला और बाल विकास।
- शिवेंद्र राजे भोसले: सार्वजनिक निर्माण।
- माणिकराव कोकाटे: कृषि।
- जयकुमार गोरे: ग्रामीण विकास, पंचायती राज।
- नरहरी झिरवाल: खाद्य और औषधि प्रशासन।
- संजय सावकारे: वस्त्र।
- संजय शिरसाट: सामाजिक न्याय।
- प्रताप सरनाईक: परिवहन।
- भरत गोगावले: रोजगार गारंटी, बागवानी।
- मकरंद पाटिल: राहत और पुनर्वास।
- नितेश राणे: मत्स्य पालन और बंदरगाह।
- आकाश फुंडकर: श्रम।
- बाबासाहेब पाटिल: सहकारिता।
- प्रकाश आबिटकर: सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण।

मंत्रियों और उनके विभागों की सूची

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस: गृह, ऊर्जा, सामान्य प्रशासन, विधि और न्याय, और अन्य विभाग जो किसी अन्य मंत्री को नहीं सौंपे गए।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे: नगर विकास, गृहनिर्माण, सार्वजनिक निर्माण (सार्वजनिक उपक्रमों को छोड़कर)।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार: वित्त और योजना, उत्पादन शुल्क।

राज्य मंत्री :

माधुरी मिसाल: सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक विकास और वक्फ, चिकित्सा शिक्षा।

आशीष जायसवाल: वित्त और योजना, विधि और न्याय।

मेघना बोर्डीकर: सार्वजनिक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, जल आपूर्ति।

इंद्रनील नाइक: उच्च और तकनीकी शिक्षा, आदिवासी विकास, पर्यटन।

योगेश कदम: गृह मामले (शहरी)।

बीड जिले में ₹7,500 करोड़ का फसल बीमा घोटाला : सुरेश धस ने सरकार पर साधा निशाना

धनंजय मुंडे का नाम लिए बिना गंभीर आरोप

जमीर काज़ी

नागपुर: बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या राज्य भर में सुर्खियां बटोर रही है। इसी बीच, भाजपा विधायक सुरेश धस ने राकांपा नेता धनंजय मुंडे पर, बिना उनका नाम लिए, बीड जिले में ₹7,500 करोड़ के फसल बीमा घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया। यह आरोप उन्होंने शीतकालीन सत्र के दौरान स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए शनिवार को लगाए।

धस ने बीड में फर्जी नामों के जरिए फसल बीमा योजना का लाभ उठाने के सबूत पेश किए। उन्होंने आगे दावा किया कि इसी प्रकार के घोटाले महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी हजारों करोड़ के हो सकते हैं और इनकी गहन जांच की मांग की। उनके आरोपों ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर तनाव पैदा कर दिया और सरकार को बैकफुट पर ला दिया।

धस ने कहा कि यह घोटाला 2023-24 के दौरान हुआ और इसमें केवल बीड जिले में लगभग 7,000 हेक्टेयर जमीन शामिल है। उन्होंने यह भी दावा किया कि धाराशिव जिले में 3,000 हेक्टेयर का घोटाला उजागर हुआ है, जबकि सोनपेठ तालुका में 13,190 एकड़ की फसल बीमा पॉलिसी दाखिल की गई थी। इन दावों को प्रक्रिया में शामिल

सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) द्वारा परली तालुका में अंजाम दिया गया। "मैं परली के सभी किसानों या निवासियों को दोषी नहीं ठहराता, लेकिन इस योजना का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग किया गया है," धस ने कहा। उन्होंने बताया कि यह घोटाला 2023 में हुआ और आरोप लगाया कि तत्कालीन कृषि मंत्री ने महायुति सरकार के दौरान फसल बीमा योजना का दुरुपयोग किया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले की गहन जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

"मंत्री का नाम बताएं": दादा भुसे

धस के आरोपों का जवाब देते हुए, विधानसभा में मौजूद शिवसेना के मंत्री दादा भुसे ने उनसे घोटाले की अवधि और इसके लिए जिम्मेदार मंत्री का नाम बताने को कहा। भुसे, जो कृषि मंत्रालय भी संभाल चुके हैं, खड़े होकर बोले, "यदि यह घोटाला मेरे कार्यकाल के दौरान हुआ है, तो इसे स्पष्ट किया जाए।" इसके जवाब में, धस ने कहा कि फसल बीमा घोटाला 2023-24 के दौरान हुआ, जिससे भुसे को अप्रत्यक्ष रूप से क्लीन चिट मिल गई।

"फसल बीमा घोटाले की जांच करेंगे": मुख्यमंत्री

अंतिम सप्ताह के स्थगन प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने धस द्वारा उठाए गए मुद्दों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि फसल बीमा घोटाला एक गंभीर विषय है और इसकी गहराई से जांच की जाएगी। "हम किसी भी दोषी को नहीं बख्शेंगे," फडणवीस ने आश्वासन दिया।

"तूफानों में कश्तियां और घमंड में बड़ी बड़ी हस्तियां डुब जाती है" शिंदे का ठाकरे पर निशाना

विशेष संवाददाता

नागपुर: नागपुर में महायुति सरकार के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह प्रस्ताव पर शनिवार को जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में तीखे बयान दिए। बीड़, परभणी और नक्सलवाद के मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा। अपने भाषण की शुरुआत ठाकरे गुट पर शायरी से हमला करते हुए शिंदे ने कहा:

"तूफानों में कश्तियां और घमंड में बड़ी-बड़ी हस्तियां डूब जाती हैं।" शिंदे ने राज्य में बीड़ और परभणी से जुड़े कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने खुलासा किया कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान उन्हें जेल में डालने की कोशिशें की गई थीं। इसके अलावा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि महाराष्ट्र में 2025 तक नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

विपक्ष पर निशाना

शिंदे ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा, "राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में गृह मंत्री जेल

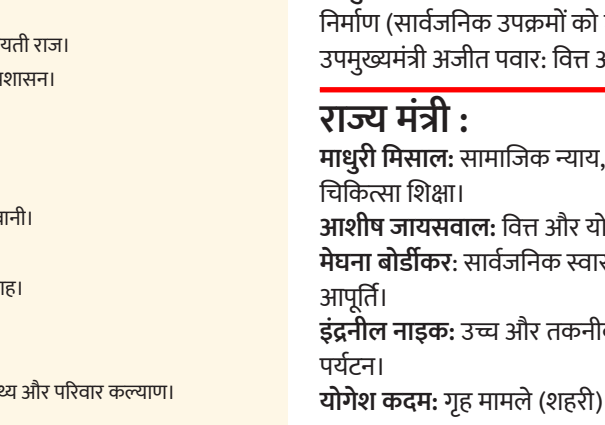

में थे। साधुओं की हत्या हुई और ये लोग अब कानून-व्यवस्था की बात कर रहे हैं। एमवीए शासन के दौरान पुलिस तंत्र का जमकर दुरुपयोग हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई। इसमें कुछ मंत्री भी शामिल थे। मुझे भी फंसाने की कोशिश की गई, जिसके सबूत हमने पेश किए हैं। इससे उनके शासनकाल में सत्ता के दुरुपयोग का पता चलता है," शिंदे ने एमवीए सरकार के दौरान हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा।

मुझे जेल में डालने की कोशिश की गई

उन्होंने आगे कहा, "बीड़ और परभणी मामलों में किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। एमवीए शासन के दौरान मुझे झूठे आरोपों में फंसाकर जेल में डालने की योजना बनाई जा रही थी। अंबादास (एक सहयोगी का संदर्भ) जानते हैं कि उस समय मुझे कितना संघर्ष करना पड़ा," शिंदे ने सभा में खुलासा किया। "राज्य की विधानसभा केवल बातचीत करने का स्थान नहीं है। जब बदलापुर की घटना का मुद्दा उठाया गया, तब कुछ लोग रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन रोकने लगे। हमने आरोपी को फांसी देने की बात कही, लेकिन जब पुलिस ने आरोपी का एनकाउंटर किया, तो ये लोग आरोपी का समर्थन करने लगे," शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा।

दवाइयों की खरीद से जुड़े आरोपों पर उन्होंने आश्वासन दिया, "दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।"

उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, "पिछले सत्र में हमने औद्योगिक क्षेत्र पर श्वेत पत्र जारी किया था। हमारे पास साहस था, इसलिए निर्णय लिया। राज्य में 2.13 लाख नौकरियां सृजित होंगी। राज्य में 2.43 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। इससे अब तक 1.25 लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिल चुके हैं।"

2025 तक नक्सलवाद समाप्त होगा

शिंदे ने नक्सलवाद के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा, "मुझे नक्सलियों से धमकियां मिलीं, लेकिन मैं विकास के एजेंडे पर काम कर रहा हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में बैठक की थी। पहले महाराष्ट्र के नक्सली छत्तीसगढ़ भाग जाते थे और जंगलों में छिपते थे, क्योंकि कांग्रेस सरकार उन्हें छिपने में मदद करती

नवनीत कावत बीड के नए पोलिस अधीक्षक

बीड संवाददाता

बीड जिले में बढ़ते अपराध के कारण, जिसने राज्य की छवि को खराब किया है, आईपीएस अधिकारी नवनीत कावत को बीड जिले का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। बढ़ते अपराध को नियंत्रित करना और जनता के बीच पुलिस पर विश्वास बहाल करना नवनीत कावत के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

बीड जिला, जो विभिन्न अवैध गतिविधियों का अड्डा बन गया है, मसाजोगे के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद और

अधिक बदनाम हो गया। कई अपराधों में पुलिस की आरोपियों के साथ मिलीभगत, मामलों को दबाना और झूठे मुकदमे दर्ज करना जैसे कारणों से नागरिकों का पुलिस पर से विश्वास उठ गया है। देशमुख की हत्या की पृष्ठभूमि में, बीड जिले में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर लगातार तीन दिनों तक राज्य विधानसभा में चर्चा हुई। इस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने ध्यान दिया और स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहने के कारण तत्काल एसपी अविनाश बाराल को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह आईपीएस अधिकारी नवनीत कावत को नियुक्त किया गया है

नवनीत कावत 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वे एक अत्यंत सख्त और अनुशासनप्रिय अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। सैन्य स्कूल से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, नवनीत कावत ने आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। खास बात यह है कि उन्होंने तीन बार यूपीएससी परीक्षा पास की। शुरुआत में वे आईआरएस अधिकारी बने और बाद में आईपीएस अधिकारी बने। वर्तमान में वे छत्रपति संभाजीनगर में पुलिस उपायुक्त के पद पर कार्यरत हैं

मलिया गर्ल्स हाई स्कूल में गणित दिवस पर गणित आधारित प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी

बीड (जावेद पाशा)

प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन की जयंती के अवसर पर मलिया गर्ल्स हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज में गणित दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा विभिन्न गणित आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मलिया हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल सिद्दीकी इरफान सादुल्लाह ने की। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में व्याख्याता और पत्रकार जावेद पाशा तथा मलिया जूनियर कॉलेज के गणित विभाग के व्याख्याता बासित देशमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, छात्राओं ने गणित के महत्व पर भाषण दिए। मुख्य अतिथि जावेद पाशा ने गणित के जीवन के हर क्षेत्र में महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह एक ऐसा विषय है जिसके बिना विज्ञान और प्रौद्योगिकी की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने छात्रों को गणित से डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यदि इसे समझकर पढ़ा जाए, तो यह एक आसान विषय है।

दूसरे अतिथि बासित देशमुख ने कहा कि गणित शिक्षा के समय ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक जीवन में भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इंजीनियर अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करते हैं क्योंकि उन्हें गणित पर बेहतर पकड़ होती है। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रिंसिपल सिद्दीकी इरफान सादुल्लाह ने स्कूल की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया और कम समय में गणित प्रदर्शनी के लिए इतने उत्कृष्ट प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए छात्राओं और गणित के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

सरकार ने जनता के मुद्दों की अनदेखी की, विदर्भ और मराठवाड़ा के सवालों पर सत्र में चर्चा नहीं हुई:

महाविकास अघाड़ी नेताओं का आरोप : बीड और परभणी के मुद्दों पर सरकार की लापरवाही पर सवाल

विशेष संवाददाता

नागपुर: शीतकालीन सत्र में विदर्भ और मराठवाड़ा की जनता के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। हमारी सरकार के समय इसी सत्र में किसान कर्ज माफी की घोषणा की गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने कर्ज माफी का वादा करने के बावजूद अब तक घोषणा नहीं की है। यह आरोप महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने शनिवार को लगाया। छह दिन तक चले शीतकालीन सत्र का शनिवार को समापन हुआ। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर तीखा हमला बोला।

नाना पटोले ने कहा, "गडचिरोली में भारी मात्रा में खनिज संपदा है, जिसे सरकार के प्रिय उद्योगपति लूट रहे हैं। धारावी प्रोजेक्ट को अदानी को सौंपने का फैसला सरकार ने किया है। सत्र के माध्यम से सरकार ने जनता के साथ धोखा किया है। भाजपा सरकार गरीब, युवाओं और किसानों की नहीं, बल्कि मुट्ठी भर अमीरों की है।

बीड और परभणी की घटनाएं मानवता पर कलंक हैं। सरकार द्वारा गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के नतीजे बीड में भी देखने को मिले। पुलिस में भी गुंडागर्दी आ गई है, ऐसा प्रतीत होता है। परभणी में पुलिस ने कॉम्बिंग ऑपरेशन किया, जिसमें कई लोगों को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस की पिटाई से सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत हो गई, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस का बचाव किया। परभणी मामले में सिर्फ एक पुलिस अधिकारी का तबादला किया गया। बीड मामले में मुख्यमंत्री ने एक मंत्री को बचाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए सहयोगी दलों के मंत्रियों से डरते हैं," पटोले ने कहा।

अंबादास दानवे ने कहा, "सरकार ने सत्र में केवल पुरानी योजनाओं को गिनाया, विदर्भ को कुछ भी नहीं मिला। कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। बीड मामले के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड अभी भी फरार हैं और सभी को पता है कि उन्हें कौन समर्थन दे रहा है। परभणी की घटना में पुलिस की लाठीचार्ज से सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत हुई। कल्याण में मराठी लोगों के खिलाफ अन्याय की घटना घटी।

पूरक मांगें केवल खर्चों के लिए थीं, विकास के लिए इनमें एक भी रुपया नहीं था। मुख्यमंत्री ने विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ सिंचाई प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया, लेकिन उनके लिए कोई वित्तीय प्रावधान नहीं किया गया। प्याज निर्यात शुल्क 20% हटाने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। किसानों के लिए कुछ भी नहीं किया गया, न कोई अनुदान दिया गया। यह ईवीएम से चुनी गई सरकार जनता को न्याय नहीं दे रही। विपक्ष के रूप में हमने सत्र में सरकार से सवाल किए और आगे भी मजबूती से सवाल करते रहेंगे," दानवे ने कहा।

इस मौके पर विधायक सचिन अहीर, सुनील प्रभु और अन्य नेता भी उपस्थित थे।

राहुल गांधी कल परभणी जाएंगे

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को परभणी का दौरा करेंगे। वह पुलिस लाठीचार्ज में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बताया कि राहुल गांधी दिल्ली से नांदेड़ तक विमान से और फिर कार से परभणी जाएंगे।

देसमुख सरपंच मामले की गहराई से जांच करें और मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार करें

डर से बाहर आएं, हम मिलकर इस समस्या का सामना करेंगे: शरद पवार

शरद पवार ने संतोष देशमुख की बेटी की पढ़ाई की जिम्मेदारी ली; मस्साजोग गांव में आक्रोश

बीड संवाददाता

बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। इस चौंकाने वाली घटना की गूंज महाराष्ट्र विधानसभा से लेकर लोकसभा तक सुनाई दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सदस्यों ने दोनों सदनों में यह मुद्दा उठाकर संतोष देशमुख के लिए न्याय की मांग की।

एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने इस मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप किया और बीड के सांसद बजरंग सोनवणे, सांसद निलेश लंके और विधायक संदीप क्षीरसागर के साथ मस्साजोग गांव पहुंचे। उन्होंने गांववालों से बातचीत की और भरोसा दिलाया कि इस मामले के मुख्य साजिशकर्ता को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और न्याय दिलाया जाएगा।

शरद पवार ने कहा, "संतोष देशमुख को न्याय दिलाने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जब तक दोषियों को सख्त सजा नहीं दी जाती, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शांत नहीं बैठेगी।" उनके इस दौरे ने गांववालों में उम्मीद जगाई है, और अब उन्हें विश्वास है कि सरपंच हत्या मामले में न्याय मिलेगा।

इस घटना ने राज्यभर में व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और लोग कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

संतोष देशमुख की हत्या ने न केवल राज्य को प्रभावित किया बल्कि विधानसभा और लोकसभा में भी बहस का विषय बन गया। शरद पवार ने एनसीपी के अन्य

प्रमुख नेताओं के साथ गांव का दौरा किया, गांववालों को सांत्वना दी और संतोष देशमुख को न्याय दिलाने के लिए अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक मुख्य साजिशकर्ता को सजा नहीं मिलती, एनसीपी चैन से नहीं बैठेगी। शरद पवार ने कहा, "बीड में जो हुआ वह न केवल चौंकाने वाला है बल्कि असहनीय भी है। जिस युवा सरपंच की हत्या की गई, उन्होंने पिछले 15 वर्षों से इस गांव के लोगों के लिए बहुत काम किया। उनके समाज कल्याण के कार्यों ने उन्हें लगातार जनता का समर्थन दिलाया। वह एक ऐसे जनप्रतिनिधि थे जो गांव के लोगों के सुख-दुख से जुड़े हुए थे और विवादों से दूर रहते थे। एक ऐसा होनहार नेता, जो अपने गांव की भलाई के लिए पूरी लगन से काम कर रहा था, उस पर हमला किया गया और आखिरकार उसकी हत्या कर दी गई। यह बहुत गंभीर मामला है, और राज्य व केंद्र सरकार को इस घटना का संज्ञान लेना चाहिए।"

शरद पवार का विस्तृत बयान

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, "लोकसभा सत्र हाल ही में संपन्न हुआ है। बीड के सांसद बजरंग सोनवणे और निलेश लंके ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया और न्याय की मांग की। मैंने उनकी भाषणें सुनीं, जिसके बाद राष्ट्रीय मीडिया ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि हमारे राज्य और देश में क्या हो रहा है। आपका दुख आपके जनप्रतिनिधियों ने सही मंच पर रखा है। अब सरकार को इस मामले की गहराई से जांच करनी होगी। इस अपराध के मुख्य साजिशकर्ता का पता लगाकर उसे गिरफ्तार करना होगा। हमलावरों के संबंध और संवाद की पूरी जांच कर सच्चाई को सामने लाना होगा।"

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने देशमुख परिवार को सांत्वना दी

दोषियों को फांसी दिलाने का आश्वासन दिया

बीड : सरकार मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में शामिल दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए इस मामले की पूरी निगरानी करूंगा कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए, जिसमें फांसी की सजा भी शामिल हो सकती है, यह बात उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मस्साजोग में देशमुख परिवार को सांत्वना देते हुए कही।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आज मस्साजोग का दौरा किया और दिवंगत देशमुख की पत्नी, बेटी और भाई धनंजय देशमुख से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना पर उनसे चर्चा की, जानकारी ली, और भरोसा दिलाया कि सरकार इस मामले की गहराई से जांच कर देशमुख परिवार को न्याय दिलाएगी। उन्होंने इस घटना को मानवता पर एक कलंक बताया।

"मैं सरकार की ओर से दिवंगत संतोष देशमुख को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं," श्री पवार ने कहा और दिवंगत देशमुख की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस गहराई से जांच कर रही है और न्यायिक जांच भी चल रही है ताकि किसी भी प्रकार

की चूक न हो। उपमुख्यमंत्री पवार ने दृढ़ता से कहा, "यदि इस घटना के पीछे कोई मास्टरमाइंड है, तो उसे भी छोड़ा नहीं जाएगा।"

इस दौरान वरिष्ठ नेता रमेश आडसकर, डॉ. योगेश क्षीरसागर और अन्य लोग भी श्री पवार के साथ मौजूद थे।

विदर्भ, मराठवाड़ा और बाकी महाराष्ट्र का संतुलित विकास : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

विदर्भ और मराठवाड़ा के सिंचाई और औद्योगिक प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे।

नागपुर, 21 दिसंबर: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में आश्वासन दिया कि सरकार विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र के पिछड़े इलाकों का संतुलित विकास सुनिश्चित करेगी, जिससे महाराष्ट्र के लोगों को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा के सिंचाई और औद्योगिक प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे, और मराठवाड़ा में वॉटर ग्रिड प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गडचिरोली "स्टील सिटी" के रूप में उभर रहा है और अगले तीन वर्षों में वहां नक्सलवाद पर पूरी तरह नियंत्रण किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने फसल बीमा योजनाओं में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए गहन जांच कराने की बात कही। मुख्यमंत्री विधानसभा में अंतिम सप्ताह प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे।

विदर्भ में सिंचाई

मुख्यमंत्री फडणवीस ने घोषणा की कि विदर्भ में सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने के लिए वैनगंगा-पैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ने का प्रोजेक्ट सात वर्षों के भीतर पूरा किया जाएगा। इस ₹88,000 करोड़ की परियोजना से 10 लाख एकड़ जमीन सिंचाई के दायरे में आएगी, और 550 किलोमीटर लंबी एक नई नदी का निर्माण होगा जिससे विदर्भ में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी। नाग नदी सुधार प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है और नाग-पोहरा-पिवली नदियों में सीवेज के प्रवाह को रोकने के लिए प्रयास जारी हैं। भंडारा नदी मोड़ परियोजना को भी मंजूरी दी गई है, जिससे 3,200 एकड़ जमीन सिंचाई के दायरे में आएगी।

विदर्भ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का वन और जल पर्यटन

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के बड़े निवेश से गोसीखुर्द परियोजना के माध्यम से जल पर्यटन की संभावनाएं बनी हैं। अभोरा में जल पर्यटन शुरू होगा और भंडारा, नागपुर, चंद्रपुर, गोंदिया में वन पर्यटन विकसित किया जाएगा। इन परियोजनाओं से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल बनाए जाएंगे।

विदर्भ का औद्योगिक विकास

गडचिरोली, चंद्रपुर, वर्धा, भंडारा, और नागपुर में खनन परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। गडचिरोली में ₹50,000 करोड़ का औद्योगिक निवेश हुआ है, और खनिज आधारित परियोजनाओं के कारण यह जिला "स्टील सिटी" के रूप में उभर रहा है। चंद्रपुर में कोयला गैसीकरण प्लांट को मंजूरी मिली है। रामटेक और भंडारा में फेरो अलॉय क्लस्टर के विकास से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से नागपुर मेट्रो प्रोजेक्ट-2 को पूरा किया जाएगा। अमरावती के टेक्सटाइल पार्क में "कपास से कपड़ा और कपड़ा से फैशन" की अवधारणा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

रूस के कजान में 9/11 जैसा अटैक : यूक्रेन ने 8 ड्रोन दागे, 6 रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया

; कजान एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रोकी गईं

मॉस्को : रूस के कजान शहर में शनिवार सुबह अमेरिका के 9/11 जैसा हमला हुआ। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन ने कजान पर 8 ड्रोन अटैक किए। इनमें से 6 अटैक रिहायशी इमारतों पर हुए। कजान शहर रूस की राजधानी मॉस्को से 720 किलोमीटर दूर है। अभी तक हमले में किसी के मारे जाने की खबर नहीं है।

सोशल मीडिया पर हमले के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें कई ड्रोन इमारतों से टकराते नजर आ रहे हैं। इन हमलों के बाद कजान समेत रूस के दो एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया है।.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com